प्रतिनिधि मंडल ने निम्न स्थानों पर प्रदर्शन दिखाये —

पीकिंग, डाइरेन, शैनयांग, सियान, उरमची, काशगर, चुनकिंग, वुहान (हानको), नानकिंग, हैंगचो, कैंटन और शंघाई ।

(ग) दौरे का कार्यक्रम चीन की लोकगणराज्य सरकार ने बनाया था और उसके साथ मिलकर हमने इसे अन्तिम रूप दिया था ।

श्री भक्त दर्शन : इस सूची में सीकियांग और पोर्ट आर्थर का नाम आता है । क्या यह सत्य है कि हमारे देश का सांस्कृतिक प्रति निधि-मंडल सब से पहला विदेशी दल था, जिसको वहां जाने की इजाजत दी गई और क्या इस से यह सिद्ध होता है कि चीन सरकार ने सब इलाकों से सब तरह के प्रतिबन्ध हटा लिये हैं ?

Dr. M. M. Das : As I have said the tour programme was drawn up by the Government of the People's Republic of China and was finalised by us in consultation with that Government.

Mr. Speaker : The question is different.

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : जी हां, जो बात आप ने पूछी है, वह किसी कदर सत्य है, लेकिन आप जानते हैं कि थोड़े दिन हुये— मुझे ठीक मालूम नहीं— पोर्ट आर्थर रूसी कब्जे से चीनी हकूमत के कब्जे म दिया गया है और जहां तक मालूम है, इस जमाने में कोई और डेलीगेशन या डपुटेशन वहां नहीं गया था ।

श्री भक्त दर्शन : इस सूची में मैं तिब्बत का कोई नगर नहीं पाता, क्योंकि तिब्बत भी चीन का एक भाग है । क्या इसका अर्थ यह समझा जाय कि तिब्बत में जाने में कोई आपत्ति है ? क्या इस बारे में कोई प्रकाश डाला जा सकता है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मेरी समझ में यह सवाल नहीं आया है । किसी को आपत्ति नहीं है । इसमें आपत्ति का क्या सवाल है ? आने जाने में मुश्किल यह है कि वहां पर पहाड़ और चट्टानें ज्यादा हैं और रास्ते कम हैं ।

श्री डी० डी० पांडे : अभी प्राइम मिनिस्टर साहब न फ़रमाया कि वहां जाने की सहूलियत दी गई । मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह सहूलियत इसी डेलीगेशन के लिये थी, या जो और लोग वहां जायेंगे, उनके लिये भी यह सहूलियत होगी ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मुझे मालूम नहीं कि किस के लिये होगी या किस के लिये नहीं होगी । वह एक फ़ौजी मुकाम है और सिक्योरिटी एरियाज में आम तौर से जाने की इजाजत नहीं होती । वे दिक्कतें भी हल्के हल्के हट जायेंगी और शायद और लोग भी जा सकेंगे ।

Libraries in Hyderabad

*1428. **Shri Janardhan Reddy**: Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) the amount of loan and subsidy given to the Hyderabad State by the Central Government for the development of its libraries during 1954-55; and

(b) whether the money so granted has been availed of?

The Parliamentary Secretary to Minister of Education (Dr. M. M. Das): (a) Nil.

(b) Does not arise.

श्री जनार्दन रेड्डी: जो इमदाद दी जाती है, उसके बारे में क्या यह मुकर्रर किया जाता है कि देहात के लिये इतनी हो और शहरी एरिया के लिये इतनी हो ?

Dr. M. M. Das : The Central Government does not give any loan for library purposes.

Shri Heda : In view of the fact that the library at Hyderabad is one of the largest libraries in the country, is there any proposal to convert it into one of the national libraries.

Dr. M. M. Das : I think the hon. Member has given a suggestion and the Government may consider that suggestion.

National Chemical Laboratory

*1430. **Shri Gidwani** : Will the Minister of **Natural Resources and Scientific Research** be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the National Chemical Laboratory, Poona has experi-